

उन्मीलपरागण पुं. (तत्.) कृषि. फूल के खिलते ही होने वाला परागण जैसे- टमाटर, बैंगन, मिर्च आदि में।

उन्मीलित वि. (तत्.) 1. खुला हुआ 2. खिला हुआ पुं. एक काव्यालंकार जिसमें दो वस्तुओं में सादृश्य के कारण भेद करना संभव न होने पर भी किसी कारण उनमें भेद प्रकट किया जाता है।

उन्मुक्त वि. (तत्.) बंधनरहित, आजाद, छोड़ा गया, खुला।

उन्मुक्त पोताश्रय पुं. (तत्.) वाणि. वह बंदरगाह जहाँ वस्तुओं पर किसी तरह का कर, चुंगी आदि नहीं लगाई जाती, जो सब राष्ट्रों के व्यापार के लिए खुला हो। free port

उन्मुक्ति स्त्री. (तत्.) 1. कर देने, किसी कर्तव्य के पालन या रोग के आक्रमण की संभावना आदि से मुक्ति immunity 2. विधि. किसी दायित्व या सामान्य नियम से दी गई छूट immunity 3. सजा/दंड से छूटना release 4. किसी देयता के समाप्त हो जाने की स्थिति। discharge

उन्मुख वि. (तत्.) 1. जिसका मुख या दृष्टि ऊपर की ओर हो 2. उद्यत 3. किसी ओर जाता हुआ, प्रवृत्त 4. उत्सुक।

उन्मुखर वि. (तत्.) बहुत शोर मचाने वाला, बहुत बोलनेवाला।

उन्मूलक वि. (तत्.) 1. जड़ उखाड़ने वाला, समूल नाश करने वाला 2. (किसी कुप्रथा आदि को) समाप्त करने वाला।

उन्मूलन पुं. (तत्.) 1. जड़ से उखाड़ देना 2. जड़ से नष्ट करना, पूर्णतः समाप्त करना, उत्सादन विनो. रोपण। abolition

उन्मूलित वि. (तत्.) 1. उखाड़ा हुआ 2. मिटाया हुआ।

उन्मेष पुं. (तत्.) 1. खुलना (आँख का) 2. खिलना 3. स्फुरण, विकास 4. प्रकाश, दीप्ति।

उन्मोचन पुं. (तत्.) विधि/प्रशा. 1. किसी आरोप, दायित्व, भार, प्रभार आदि से मुक्ति 2. ऋण की अंतिम चुकौती जिसके बाद कुछ भी देना शेष न रहे 3. हुंडी, विनिमय पत्र आदि की ऐसी अदायगी जिसके बाद धारक के सारे दावे समाप्त हो जाते हैं discharge 4. खोलना, ढीला करना 5. कैद या बंधन से मुक्त कर देना।

उन्मोचित वि. (तत्.) 1. जिसे आरोप से मुक्त कर दिया गया हो 2. छुड़ाया गया हुआ 3. जिसका ऋण आदि चुका दिया गया हो।

उपंग पुं. (तत्.) एक प्रकार का तालवाद्य, नसतरंग।

उप उप.. (तत्.) शब्दों के पूर्व लग कर विभिन्न अर्थ देने वाला उपसर्ग या पूर्व प्रत्यय जो समीपता (जैसे-उपनयन, उप स्थिति) आरंभ (जैसे-उपक्रम), सामर्थ्य (जैसे-उपयोग), लघुता, गौणता, (जैसे-उपमंत्री, उपवेद) आदि अर्थ देता है।

उप उत्पाद पुं. (तत्.) अर्थ. किसी कारखाने में निर्मित होने वाले प्रमुख उत्पाद के साथ आनुषंगिक रूप से निर्मित उत्पाद। by-product

उपकक्ष स्त्री. (तत्.) 1. सहायता के लिए प्रयुक्त दूसरा कमरा 2. (राज.) संसद का वह कक्ष जहाँ संसद की मुख्य कार्यवाही के अतिरिक्त अन्य महत्वपूर्ण कार्य होते हैं, जैसे- विदेशी राजनयिकों का मिलना, मतविभाजन आदि। lobby

उपकथन पुं. (तत्.) पूर्व कथन के समर्थन या प्रत्युत्तर में कही गई बात।

उपकथा स्त्री. (तत्.) प्रायः बड़ी कहानी के भीतर आने वाली छोटी कहानी, उपाख्यान, अंतःकथा, अवांतरकथा।

उपकनिष्ठिका स्त्री. (तत्.) छोटी उंगली के पास की उंगली, अनामिका।

उपकन्या स्त्री. (तत्.) 1. मानी हुई कन्या 2. पुत्री की सहेली।